

प्राप्ति

दौ० रणबीर सिंह
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेपा में

आवकारी आवृत्ति,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

आवकारी अनुभाग

विषय :- वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए प्रथम अनुपूरक अनुदान की घनराशि व्यव हेतु निवर्तन में रखे जाने के सम्बन्ध में।

महोदय

उपर्युक्त विषयक प्रगति सचिव, पितल, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या: ०५/XXVII(1)/2010 दिनांक ०७ जनवरी २०१० के ग्रन्थ में मुझे यह कहने का निर्देश मुड़ा है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए प्रथम अनुपूरक अनुदान के द्वारा ०३-अधिकारी भीमिक के अन्तर्गत मानक सद "१६-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए प्रगति" में आवश्यक घनराशि रखी १.०० लाख (रुपये एक लाख मात्र) व्यव हेतु आपके निवर्तन में रखे जाने की श्री राजपत्र सही श्वीकृति प्रदान करते हैं।

- १ व्यव वर्ती ग्रन्थ में विज्ञा जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृत की जा रही है।
- २ श्वीकृत की जा रही घनराशि का व्यव दिखाक ३१ मार्च २०१० तक सुनिश्चित रूप लिया जाय।
- ३ इव तथ्यन्य में होने वाला व्यव वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान श०-०८ के लेखा शोर्टक-२००९-१० अनुदान शुल्क, ००. ६०१-निवासन तथा प्रकाशन, ०३-अधिकारी के मानक गद "१६-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए प्रगति" को माने वाला आयेगा।

मद्यवीय,

दौ० रणबीर सिंह
सचिव

संख्या २३० / XXIII / 2010 / ६० / 2009 तद्देवनोक्ति।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्ययोगी हेतु प्रेषित -

- १ शहारेश्वरकार, उत्तराखण्ड, आवश्यक ग्रन्थ, नाजरा, देहरादून।
- २ वरिक्त कोशायिकारी, देहरादून।
- ३ वित्त अनुभाग-६, उत्तराखण्ड शासन।
- ४ निदानक, एनजीएडीसी० उत्तराखण्ड, सर्वेक्षण विभाग, परिसर, देहरादून।
- ५ निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- ६ गाहु काहल।

अन्त ते.
राजा से.
(मी० आर० टमट)
अपर सचिव।